RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 10 | अंक : 1-2 | संयुक्तांक | जनवरी-जून 2024

प्रदेश में स्वैच्छिक नेत्रदान बढ़ाने के लिए सघन जागरूकता अभियान आवश्यक

राजस्थान में कोर्नियल ब्लाइंडनेस के कारण अंधकार मे जी रहे लगभग 3 लाख लोगों को उजाले का उपहार देने के लिए अधिकाधिक संख्या में अच्छे कॉर्निया दान मे मिलने आवश्यक हैं। यह तभी संभव है जब नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सभी लोगों द्वारा मिल-जुल कर बहुस्तरीय सघन प्रयास किए जाएं।

नेत्रदान के लिए लोक जागरण का कार्य एक निरंतर बहने वाली नदी के रूप में है जिसका प्रवाह राज्य के दृष्टि बाधित लोगों के लिए उजाले का मार्ग प्रशस्त करेगा। वैसे तो नेत्रदान के प्रति जनता में जागरूकता बढ़ाने का अभियान प्रति वर्ष 25 अगस्त से 8 सितंबर तक बहुत जोश और उत्साह से मनाया जाता है। लेकिन कोर्निया को नष्ट होने से बचाने व दान में लेने के लिए आई बैंक सोसाइटी ने इस अभियान को पूरे वर्ष चलाते रहने का संकल्प लिया है। जयपुर में तथा सभी सक्रिय व जागरूक चेप्टर्स में भी साल भर कहीं न कहीं कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं ताकि आम जनता मे नेत्रदान का संदेश भी लगातार फैलता रहे।

राज्य सरकार ने कोर्नियल ब्लाइंडनेस से पीड़ित जनों को दृष्टि का अधिकार देने के लिए विधान सभा मे बिल पारित करने के साथ ही गत वर्ष 10 करोड़ रुपये का बजट भी स्वीकृत किया था। लेकिन इस योजना की क्रियान्विति की गति धीमी होने के कारण निर्धारित लक्ष्य हासिल करने मे विलंब हो रहा है। हाल ही सरकार ने इस दिशा में कुछ कदम आगे बढ़ाए हैं जिनके बारे में सोसाइटी के सचिव श्री ललित प्रकाश कोठारी ने इसी अंक में प्रकाशित अपने आलेख मे विस्तार से जानकारी दी है।

अब तो आई बैंक सोसाइटी को उत्सुकता से इंतजार है जब राज्य सरकार के सभी अस्पतालों में केराटोप्लास्टी ऑपरेशन के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध हो जाएं, डाक्टर्स प्रशिक्षित हो जाएं तथा सभी मैडिकल कोलेजों व सरकारी अस्पतालों में राज्य व्यापी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार हो जाए। सरकार के कुछ सकारात्मक प्रयासों के मद्देनजर आई बैक सोसाइटी ने वर्तमान में सक्रियता से कार्य कर रहे कोर्निया कलेक्शन सेन्टर्स को अधिक सुदृढ़ करने तथा अन्य जिलों में भी उनका विस्तार कर अधिकाधिक कोर्निया प्राप्त करने की दिशा मे काफी कदम आगे बढ़ाए हैं।

नेत्रदानी परिवारों का सम्मान जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से नेत्रदान का संदेश अधिकाधिक लोगों तक पहुँच सकता है। ''कुछ सक्रिय चेप्टर्स प्रचार एवं जन जागरूकता'' कार्यक्रम लगातार कर रहे हैं। जयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर में हुए ऐसे आयोजनों में राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, समाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक आदि शिरकत करते हैं। सभी परिवारों को सम्मान पत्र प्रदान करने के साथ ही सामूहिक भोजन की व्यवस्था भी की जाती है।

समय -समय पर होने वाले धार्मिक आयोजनों, सभा-सम्मेलनों, गोष्ठियों, मेलों, प्रदर्शनियों, उत्सवों, अस्पतालों, पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों, विश्व विद्यालयों, शिक्षण संस्थाओं, पुलिस थानों, विभागों में नेत्रदान की प्रचार सामाग्री बैनर, पोस्टर पेम्पलेट आदि प्रदर्शित व वितरित करने, के साथ स्टाल भी लगाए जाते हैं। राज्य के सरकारी व निजी अस्पतालों में जगह-जगह नेत्रदान की प्रेरक प्रचार सामाग्री लगाने के साथ भीड भाड़ वाले स्थानों पर प्रचार सामग्री से सुसज्जित हेल्प डेस्क स्थापित किये जाते हैं। यहाँ जानकारी देने के साथ नेत्रदान के शपथ पत्र भी भरवाए जाते हैं।

निश्चित तौर पर कोर्नियल ब्लाइंडनेस के उन्मूलन में आई बैंक सोसाइटी तथा राजस्थान सरकार मिल कर इस मुहिम को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेगें।

लक्ष्मण बोलिया
सम्पादक

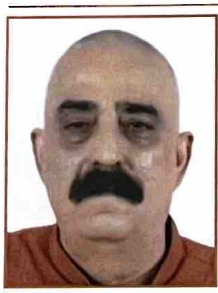

आज हम एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल के बारे में बात करने जा रहे हैं - नेत्रदान। क्या आप जानते हैं कि आपकी एक छोटी सी पहल किसी की दुनिया को रोशन कर सकती है? नेत्रदान का महत्व अपार है, और इसके माध्यम से अंधेरे में जी रहे व्यक्तियों को नया जीवन दिया जा सकता है।

नेत्रदान के माध्यम से हम उन लाखों लोगों की मदद कर सकते हैं जो किसी न किसी कारणवश अपनी दृष्टि खो चुके हैं। नेत्रदान एक सरल और नेक कार्य है, जो हमारी मृत्यु के बाद भी हमारे जीवन को सार्थक बनाता है।

हमारे समाज में नेत्रदान को लेकर कई मिथक और भ्रांतियाँ हैं, जिन्हें हमें दूर करना होगा। नेत्रदान करने से न केवल हम दूसरों की मदद कर सकते हैं, बल्कि यह एक सामाजिक कर्तव्य भी है। नेत्रदान के लिए कोई आयु सीमा नहीं होती और यह पूरी तरह से सुरक्षित प्रक्रिया है।

हमारा आप सभी से निवेदन है कि नेत्रदान के महत्व को समझें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस नेक कार्य में शामिल होकर हम सभी एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर इस पहल में शामिल हों और नेत्रदान के माध्यम से किसी की जिंदगी में रोशनी लाने का संकल्प लें।

धन्यवाद।

गोविंद गुरबानी
सह संपादक

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

President Message

Friends,

This issue of the Netra Jyoti is covering the first two quarters of the Year 2024.Therefore, you will get a glimpse of activities and progress of the first 6 months of this year. We have tried to incorporate the progress report quarter wise for you to understand in the correct perspective. As most of you are aware we organise a Dan data Sammelen in the beginning of the year to honour and acknowledge the contribution of families who have donated the eyes of their relatives. This year it was also held in February with gusto and enthusiasm. Family members expressed gratitude for this gesture. Similar type functions, to felicitate donors, are held in Ajmer and Kota also regularly. This year we also acknowledged the services of employees who have served the organisation for more than 10 years.

We continue to strive to generate financial donations to strengthen the financial base of the organisation. We are fortunate to receive Rs. 33 lakhs from State Bank of India for purchase of a Slit Lamp. Really grateful for their generosity. This is also heartening to note that during the period we have received donations from institutions, individuals and members regularly.

Members of the staff are the cornerstone of our progress. In our pursuit to look after their interest a welfare package for employees was introduced this year and many new schemes like Provident Fund, Accidental Insurance, Gratuity, Accelerated Promotion, Advance Increment of Pay etc were introduced while medical facilities under ESI are already available. Similarly, to upgrade the skills and professionalism of employees a workshop of counselling and retrieval of cornea was organised. This was appreciated by all staff and the results are there to see. After this workshop their cornea utilisation rate has gone up to more than 85% and the general levels above 70%. To acknowledge good performance we also introduced a scheme to reward excellent performers based on higher parameters. We have also made some changes in our policy of star performers to give equal playing field to the staff posted at Jaipur and in the Chapters. It is showing results as more and more chapter EDCs are getting rewards and their performance has shown improvement.

We constantly endeavour to reach out to as many people as possible to spread awareness about Eye Donation. Therefore, recently we have introduced a mobile based system for pledging of Eyes for Donation. It is simple where by giving us a missed call on a given Mobile number one can take a pledge to donate eyes and also obtain a certificate on the mobile to share with relatives for future.

We have a long way to go keeping in view the large number of people waiting to get vision. There is a need of more collection centres in the state, more corneal surgeons so that maximum number of corneas can be utilised for needy people of Rajasthan instead of sending them to other cities. Government has to play a proactive role in involving more and more government institutions, doctors and the public at large in the mission.

B. L. Sharma

President

जयपुर में नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की ओर से गत 25 फरवरी को नारायण सिंह सर्किल स्थित इंद्रलोक सभागार, भट्टारकजी की नसियां में नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, मुख्य सचिव सुधांश पंत थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉक्टर अचल शर्मा (अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल), जस्टिस एन. के. जैन तथा श्री अरूण कुमार (पूर्व मुख्य सचिव) ने शिरकत की।

समारोह में 70 नेत्रदानी परिवार सम्मिलित हुए थे जो जयपुर, बीकानेर एवं दौसा से आए। समारोह में भाग लेने वाले नेत्रदानी परिवार सदस्य गौरवान्वित थे। समारोह में आकर उन्होंने भी आई बैंक का मान बढ़ाया। समारोह में नेत्रदानी परिवार सदस्यों के अलावा आई बैंक के सदस्य, विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हुए समाज के प्रतिष्ठित नागरिक, प्रेस एवं मीडिया, समाजसेवी, स्टाफ एवम् अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम शुरु होने से पूर्व सभी मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलीत किया।

श्रीमती अंजु जैन
सदस्य कार्यसमिति
ईबीएसआर

आई बैंक सॉसायटी के सचिव, सेवानिवृत्त आईएएस, श्री ललित कोठारी ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कॉर्निया केवल मृत शरीर से ही प्राप्त हो सकता है और कार्निया के प्रत्यारोपण से ही ज़रूरतमंद व्यक्तियों को रोशनी प्रदान की जा सकती है।

मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत ने कहा कि नेत्रदान के प्रति आमजन को प्रेरित और प्रोत्साहित कर ज़रूरतमंद व्यक्तियों को कॉर्निया ट्रांसप्लांट करवाकर उनके जीवन में रोशनी लायी जा सकती है। उन्होंने आमजन में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री सुधांश पंत ने समाज को नेत्रदान के प्रति जागरूक कर कॉर्निया उपलब्ध कराने में सहयोग के लिए सोसायटी के प्रति साधुवाद व्यक्त किया और नेत्रदान करने वाले परिवारों की सराहना की।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष, सेवानिवृत्त आईएएस, श्री बी. एल. शर्मा ने बताया कि वर्ष 2002 में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की स्थापना की गई। तब से लेकर अब तक 24 हजार नेत्रदान करवाकर 14 हजार कॉर्निया का प्रत्यारोपण किया जा चुका है। सोसायटी द्वारा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है और इसी का परिणाम है कि राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बराबर 65 प्रतिशत कॉर्निया काम में लिया जा रहा है। गत वर्ष 2003 कॉर्निया प्रत्यारोपित किये गए। भारत में केवल 10 आई बैंक हैं, जो गुणवत्ता के लिए साइट लाइफ इंटरनेशनल से सर्टिफाइड हैं। आई बैंक सोसायटी उनमें से एक है। यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है।

एसएमएस अस्पताल जयपुर के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने

कॉर्नीया ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम चेकोस्लोवाकिया के एक डॉक्टर ने वर्ष 1905 में कॉर्निया प्रत्यारोपण किया और अब दुनिया के अधिकांश देशों में कॉर्निया प्रत्यारोपण कर, जरूरतमंदो को रोशनी प्रदान की जा रही है।

उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस रहे जस्टिस एन. के. जैन ने नेत्रदानी परिवारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि उनके परिजनों से मृत्युपरांत प्राप्त कॉर्निया से किसी को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई है अत: वे साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से समाज के प्रति अधिक उत्तरदायी होते हुए अधिकाधिक कोर्निया दान कराने की अपील की।

सेवानिवृत्त मुख्य सचिव श्री अरुण कुमार ने नेत्रदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान से जुड़े सभी महानुभावों एवम् कार्यकर्त्ताओं को धन्यवाद दिया।

नेत्रदानी परिवार के श्री योगेश मित्तल ने अपनी माताजी की मृत्यु उपरांत उनकी इच्छानुसार श्रीमती उषा बापना के सहयोग से नेत्रदान करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नेत्रदान के संबंध में एक एप बनाने में सहयोग की भी पेशकश की। नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह मे भाग लेने के लिए आए लोगों ने इस अवसर पर दान देनेकी घोषणा की। 1. श्रीमती विमलेश जैन ने 1 लाख 11 हजार 111 2. श्री योगेश मित्तल ने 1 लाख 3. श्रीमती उमेश सोमानी ने 51000 4. श्रीमती विभा बागड़ा ने 21000 5. प्रोफेसर हरिशंकर शर्मा ने 21000 6. (डा चंद्र कुमार ग्रोवर ने 21 000 7. मिन्नी वर्मा ने 11000 8. श्रीमती पुष्पा काला ने 11000 रुपये देने कि घोषणा की। नेत्रदानी परिवार के आंधी पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम पंचायत थौलाई के निवासी एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिवपुर के प्रधानाध्यापक राजकुमार शर्मा के पुत्र आशीष की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। आई बैंक के सहयोग से उन्होंने बेटे की आंखें दान में दी। उन्होंने कहा कि बेटे की आंखों से किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में उजियारा लौट आया है। पिता के लिए अपने पुत्र का नेत्रदान करना अदम्य साहस का द्योतक है। उन्होंने बीमा से प्राप्त होने वाली राशि दान देने का निर्णय लिया। उन्होनें पाठ्यक्रम में अंगदान को शामिल करने का सुझाव दिया। अन्य वक्ताओं ने भी पाठ्यक्रम में अंगदान को शामिल करने का सुझाव दिया।

आई बैंक के कर्मचारी श्री पुलकेश कुमार शर्मा, डिप्टी मैनेजर, श्री सन्तोष कुमार, डिप्टी मैनेजर अकाउन्ट्स, श्री भरत शर्मा, सहायक मैनेजर, श्री कुलदीप सिंह, सीनियर टैक्निशियन, जिन्होंने 10 वर्ष से अधिक का कार्यकाल पूर्ण किया, उनको भी प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

नई आंख लगने से आगे बढ़ने की राह मिली

भरतपुर निवासी निरमा बाई ने बताया कि बाई आंख की रोशनी जाने से उनका टीचर बनने के सपने पर पानी फिर गया। आई बैंक संस्था उम्मीद की किरण बनकर आई। नई आंख लगने पर अब वह फिर से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है।

सम्मान एवं अभिनंदन

समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री सुधांश पंत, विशिष्ट अतिथि श्री अरूण कुमार, जस्टिस एन. के. जैन, डॉक्टर अचल शर्मा तथा ईबीएसआर के श्री बी. एल. शर्मा, सचिव श्री ललित प्रकाश कोठारी एवं उपाध्यक्ष श्री कपिल गर्ग द्वारा दानदाता परिवार के सदस्यों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एक-एक कर नेत्रदानी परिवार सदस्यों का नाम पुकारा गया और सभी पंक्तिबद्ध मंच पर आए। सभागार में उपस्थित अन्य महानुभाव; पद्मश्री माया टंडन, नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर पी.के. माथुर, यू. ई. एम चौमू के उप कुलपति श्री बिस्वेजॉय चैटर्जी तथा समाजसेवी श्री कमल संचेती ने भी मंच पर आकर दानदाता परिवारजनों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान की कार्य समिति के सदस्य एवं सम्पादक श्री लक्ष्मण बोलिया द्वारा संपादित 'नेत्रज्योति' पत्रिका के वार्षिक अंक का विमोचन किया गया। श्री लक्ष्मण बोलिया ने अतिथियों को पत्रिका की प्रति भी भेंट की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आभा चतुर्वेदी द्वारा बहुत आकर्षक ढंग से किया गया। इस व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में आई बैंक के स्टाफ एवं स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। स्वयंसेवक जिन्होंने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से चलाने में मदद की, उनको संस्था की ओर से प्रमाण पत्र दिए गए। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त डीजी श्री कपिल गर्ग ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आई बैंक को बुनियादी ढांचे में सुधार एवं दक्षता के लिए एस.बी.आई. द्वारा 33 लाख का अनुदान

जयपुर। दान में प्राप्त होनेवाले कोर्निया की असामान्यताओं का पता लगा कर नैदानिक सटीकता तथा कोर्नियल ट्रांसप्लांट में गुणात्मक सुधार के लिए भारतीय स्टेट बैंक ने सी.एस.आर. योजना के तहत आई बैंक सोसाइटी आफ राजस्थान को हेग स्ट्रेट स्लिट लैंप खरीद कर अपनी लेब में स्थापित करने हेतु 33 लाख रूपयों का अनुदान प्रदान किया है।

आई बैंक सोसाइटी ओफ राजस्थान के अध्यक्ष, पूर्व आई.ए.एस., श्री बी. एल .शर्मा तथा सचिव, श्री ललित प्रकाश कोठारी को यह चेक गत 22 फरवरी 2024 को एस.बी.आई. के एम. डी. (आर.बी. एंड ओ) श्री विनय एम. टॉमसे ने एक सादे समारोह में प्रदान किया।

एमडी (आरबी एंड ओ) श्री विनय एम. टॉमसे ईबीएसआर के अध्यक्ष श्री बी.एल. शर्मा और सचिव, श्री ललित प्रकाश कोठारी को प्रतीकात्मक चेक सौंपते हुए।

ई बी एस आर, समाज सेवी नागरिकों द्वारा संचालित एवम् वित्त पोषित एक गैर सरकारी संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 2002 में राजस्थान राज्य तथा देश में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस को खत्म करने के उद्देश्य से की गई थी। बहुत कम संस्थाएं इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। शुरुआत से ही ई बी एस आर प्रबंधन ऐसे भागीदारों की तलाश में था जो कॉर्निया के संग्रह और नेत्र दान के बारे में जागरूकता फैलाने में सोसायटी की मदद कर सकें। सरकार से वित्तीय सहायता बहुत सीमित मात्रा में मिलती है, अतः आई बैंक सोसाइटी मुख्य रूप से व्यक्तिगत दान पर निर्भर हैं। सोसायटी द्वारा सरकारी अस्पतालों को बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क लिये कॉर्निया प्रदान किए जाते हैं। स्वाभाविक है कि यह शुल्क भी सोसायटी द्वारा वहन किया जाता है। इस स्थिति में अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए हम हमेशा ऐसे संगठनों की तलाश में रहते हैं जो आंखों की रोशनी बहाल करने में हमारे साथ वित्तीय भागीदारी कर सकें।

वित्तीय संसाधन जुटाने के हमारे प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, कोर्निया ट्रांसप्लांट द्वारा जरूरत मन्दों को मुफ्त रोशनी का उपहार देने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए हमने पहली बार भारतीय स्टेट बैंक से संपर्क किया था। तब बहुत सकारात्मक सहयोग मिला। हमें वर्ष 2020 में 200 जरूरतमंद व्यक्तियों को कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए 10 लाख रु का अनुदान दिया गया था। इस राशि का उपयोग वर्ष 2020 में ही कर लिया गया था।

नियम के तहत भारतीय स्टेट बैंक पहला अनुदान देने के तीन साल बाद ही दूसरा सी एस आर अनुदान स्वीकृत करता है। चूंकि एस.बी.आई. के प्रथम सी एस आर अनुदान को तीन साल पहले ही बीत चुके थे, अतःहम एस.बी.आई. को प्रस्तुत करने के लिए नये सी.एस.आर. अनुदान के लिए एक प्रस्ताव की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान उस दिन हमें तब सुखद आश्चर्य हुआ जब एस.बी.आई. अधिकारियों की एक टीम ने अचानक बिना पूर्व सूचना दिए हमारे प्रधान कार्यालय का दौरा किया और कहा कि एस.बी.आई. हमारे पिछले सी.एस.आर. अनुदान के उपयोग से संतुष्ट है अतः एस.बी.आई. पुनः ई बी एस आर के साथ वित्तीय सहयोग की साझेदारी को आगे बढ़ाना चाहती है।

ई बी एस आर अधिकारियो ने बैंक की टीम को बताया की हमने तो पहले से ही आई बैंक की प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए स्लिट लेम्प खरीदने की एक परियोजना तैयार कर रखी है जिसे हम आपको प्रस्तुत करने आना चाहते थे। अब तो ऐसा लग रहा है - जैसे कुआं ही प्यासे के पास आगया है। यदि आप इस लैंप के प्रस्ताव को मंजूर करते हैं तो इससे ई बी एस आर द्वारा कॉर्निया की असामान्यताओं, नैदानिक सटीकता की पहचान करने, दक्षता बढ़ाने और इस तरह कॉर्निया प्रत्यारोपण की सफलता को बढ़ाने में मदद मिल जाएगी। स्लिट लैंप बायोमाइक्रोस्कोप की कीमत लगभग रु. 33 लाख रुपए है।

खुशी की बात है कि भारतीय स्टेट बैंक ने स्ट्रेट स्लिट लैंप की खरीद और स्थापना के लिए तैंतीस लाख रुपये मंजूर किए। उन्होंने सोसायटी को राशि हस्तांतरित भी कर दी है। खरीद प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आई बैंक सोसायटी स्लिट लैंप की खरीद के लिए समर्थन और अनुदान प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के बहुत आभारी हैं।

ललित प्रकाश कोठारी
सचिव, ईबीएसआर, जयपुर

Government and EBSR Collaboration: Initiatives for Implementation of Policy for Blindness Control

The Government of Rajasthan issued "Policy for Blindness Control" on 13th January 2023 as a follow up to the Budget Announcement by Hon'ble Chief Minister while presenting his Budget for the year 2022-23. Objective of the Policy are:

1. To transform of the life of about more than three lakh visually handicapped people of the State reflecting the Vision of "Right to Sight".

2. All treatable visually handicapped people must be treated free or at minimum cost with Joint efforts of Government, private sector and NGOs to achieve the desired targets.

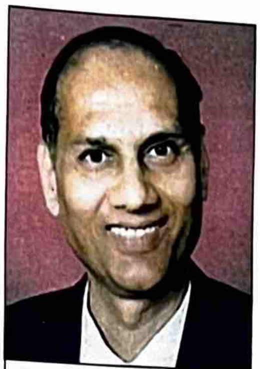

Lalit Prakash Kothari
Secretary E.B.SR.

The Department of Medical and Health has taken number of meetings with various stack holders, Medical Colleges and Hospitals and NGOs to have active partnerships with them for implementation of policy and restoration of sight. Some of the major initiatives are:

1. State Level Agency: The State Government invited expression of interest for NGOs, Trusts who are willing to work for the implementation of the policy along with Government health care facilities. The Department of Medical and Health empanelled the Eye bank society of Rajasthan (EBSR) for processing, preservation, supply and distribution of corneas for a period of two years.

2. Increasing Cornea Collections: As cornea cannot be produced in laboratory or factory, we are dependent upon the human cornea for restoring sight of corneal blind persons. The EBSR already has its collection centres in 12 cities of Rajasthan. In the year 2023, it collected 3250 corneas out of which 2003 cornea were transplanted on corneal blind persons for restoration of the vision. Looking to estimated number of 3 lakh corneal blind persons, this number of cornea transplant is very small. Therefore, the first stage is to collect more human corneas. The Department of Medical and Health has sanctioned the EBSR for starting new eye Collection centre under this policy:

(1) Churu (2) Sikar (3) Bharatpur

(4) Chittorgarh Financial sanction is still awaited.

Without waiting for release of funds, the EBSR has initiated steps for identification of suitable NGOs in these cities who could partner with EBSR for running this centre. Parallelly. the EBSR is also identifying suitable persons who can work as Eye Donation Counsellors cum Technicians in these collection centres.

3. Keratoplasty- Corneal transplant: We have large number of Ophthalmology Surgeons, both in Medical colleges as well as in hospitals. But they are not trained for keratoplasty. Due to lack of the trained Keratoplasty surgeons as well as inadequate facilities in various government and private hospitals for keratoplasty, about 50% of transplantable corneas are sent outside the state for transplantation so that all usable corneas are fully utilised. The Department has initiated steps to start training facilities for keratoplasty surgeons. So far, training for Keratoplasty has started in SMS hospital and three ophthalmology surgeons have been trained. This facility has also to be developed in other major hospitals. The EBSR is providing exposure to eye banking during training for Keratoplasty.

In addition of the trained Keratoplasty Surgeons, the policy provides financial assistance for developing / improving infrastructural facilities in in the hospitals so that keratoplasty can be done in more hospitals. At present only 23 hospitals has facilities for corneal transplant and number of hospitals performing keratoplasty regularly is much less.

4. Awareness programme: Major impediment in eye donation is lack of awareness about it due to which enough corneas are not donated. The policy has financial provisions for organisation of awareness Programmes at various levels in the community, hospital, educational institutions, public gathering etc.

5. HOTA Registration: All units working in the field of corneal transplants such as Eye collection centres, eye bank, keratoplasty surgeon and hospitals are to be compulsorily registered under

the Human Organ Transplant Act. The Medical Education Department, which is the registering authority under the Act, is taking steps to simplify the procedure, make the entire system online and also expedite inspection reports for registration & renewal.

Conclusion: The Key element in the policy are collection of corneas and cornea transplants. The experience shows that NGOs, looking to their flexible system of functioning and focussing on single point, are in a better position to collect more corneas. However it needs good support from hospital administration. Hospitals have important role in cornea transplants. Both Hospitals and NGOs can play important role in the field of eye care so that people can be prevented from becoming corneal blind by taking effective and timely treatment at earlier stage of corneal problems.

Dr. Neelam Sharma
MBBS, M.s. Ophthalmologist, working as cornea, Phaco and Refractive surgeon at Kabra eye hospital and Calgary eye hospital.

Precautions to be taken after corneal transplantation

Corneal transplantation is an effective treatment for many patients with corneal disease. With high success rate in restoring vision.

1. Do not touch or rub your eyes.
2. Avoid smoky or dusty places after surgery for few week.
3. Avoid heavy lifting or work for few months.
4. Be careful not to get water in your eyes especially during bath for atleast few weeks.
5. Take eye drops and medications properly as prescribed by your doctor.
6. Wear dark sun glasses to avoid light sensitivity.
7. Clean your eyes gently with wipes.

Patient need to follow-up on regular appointment. Follow-up immediately to your doctor if you experience following symptom

1. Decrease vision.
2. Pain, Redness, Swelling
3. Discharge
4. Light Sensitivity.

जयपुर में नेत्रदान के प्रचार प्रसार के लिए स्टाल एवं हैल्प डैस्क

जयपुर। गत 31 मार्च 2024 को माहेश्वरी समाज के जनोपयोगी भवन "उत्सव" में कालानी मेमोरियल मेडिकल कैम्प का अयोजन किया गया।
इस अवसर पर आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान की ओर से नेत्रदान का प्रचार-प्रसार करने तथा अधिकाधिक लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक बनाने के लिए एक स्टाल लगाया गया। आई बैंक सोसाइटी की कार्य समिति के सदस्य श्री गोविन्द गुरबानी, हवामहल, जयपुर के विधायक श्री बाल मुकुन्दाचार्य श्रीमती शिल्पा गोलेछा, सुरेश कालानी तथा अन्य खडे हैं।

जयपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में हैल्प डैस्क आगन्तकों को नेत्रदान की जानकारी देने के लिए प्रचार सामग्री व पोस्टर के साथ हैल्प डेस्क स्थापित किया गया है।

Enhancing Eye Donation Counselling Skills:

A Professional Development Initiative by EBSR

On April 29, 2024, the Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR) had the honor of hosting an esteemed team of experts from the renowned Shroff Eye Hospital, Delhi, for a pivotal technical session. This initiative aimed to enhance the proficiency of EBSR's Eye Donation Counsellors and Technicians (EDCTs) in cornea recovery procedures, ultimately increasing the overall utilization of EBSR's resources and capabilities.

Day 1: Technical Training and Skill Enhancement

Ms. Sudershana Shekhawat
Sr. Manager, EBSR

The workshop featured a distinguished team comprising Rakhi Nathawat, Project Manager; Mr. Surendra Dixit, Eye Bank Manager; and Mr. Suresh, Senior Eye Technician. These skilled trainers conducted comprehensive one-on-one assessments of each EBSR technician's cornea recovery skills, providing invaluable feedback and guidance to enhance their proficiency. This session was a testament to EBSR's commitment to maintaining high standards in cornea recovery.

The presence of EBSR board members lent their support and boosted the morale of the dedicated staff, creating an environment of encouragement and professional growth. The day concluded with a sense of accomplishment and readiness for the upcoming sessions.

Day 2: Refining Counselling Abilities

On April 30, 2024, the focus shifted to refining the counselling abilities of EBSR's eye donation counsellors. Facilitated by experienced trainers Rakhi Nathawat and Mr. Suresh from Shroff Eye Hospital, the sessions emphasized the development of essential soft skills for empathetic counselling. Through dynamic methods like role-plays and assessments, the EDCTs learned to utilize appropriate gestures and communication techniques to raise awareness about eye donation and persuade families to consider this noble act.

The trainers highlighted the importance of sensitivity and professionalism in guiding families through the donation process. The gracious presence of B.L. Sharma Sir, Smt. Shonu Jain, and Dr. Garima Aggarwal provided invaluable encouragement and support to the counsellors, reinforcing the significance of their roles.

Comprehensive Training for Lasting Impact

Furthermore, Surender Dixit conducted thorough tissue evaluation assessments, reflecting EBSR's commitment to maintaining high standards. This comprehensive training initiative underscores EBSR's dedication to equipping its workforce with the skills necessary for expert and compassionate eye donation counselling.

Through these focused training sessions, EBSR aims to impact countless lives by promoting the gift of sight. The event concluded with renewed motivation and a collective commitment to excellence, ready to embrace future challenges with enhanced skills and unwavering dedication.

This professional development initiative not only showcased the importance of technical proficiency but also emphasized the role of empathetic communication in the field of eye donation. EBSR continues to strive towards excellence, ensuring that every member of its team is well-equipped to make a significant difference in the lives of those they serve.

EBSR Launched Innovative New Incentive Scheme for Technicians

Incentivizing Excellence : Eye Bank Society of Rajasthan's Initiative to Eliminate Corneal Blindness

The Eye Bank Society of Rajasthan has launched an innovative incentive scheme to recognize and reward the outstanding contributions of its technicians in the fight against corneal blindness. This comprehensive program includes a monthly bonus and an Excellent Award, aiming to motivate and encourage technicians to strive for excellence in their work.

Corneal blindness is a significant public health issue in India, with thousands of individuals awaiting corneal transplants. The Eye Bank Society of Rajasthan has been at the forefront of efforts to address this challenge, and the new incentive scheme is a testament to their commitment to excellence.

Mr. Pulkesh Kumar Sharma
Dy. Manager, EBSR

Monthly Incentive and Bonus:

The monthly incentive and bonus are designed to recognize technicians' hard work and dedication. Based on their performance, technicians will receive a incentive and bonus, which will serve as motivation to maintain high standards.

Star Performer of the Quarter:

The Star Performer of the Quarter Award is a prestigious recognition of technicians' outstanding contributions. Every quarter one field technician will be declared as star performer and one field technician as runner up based on the assessment and selection for the concerned quarter as per this scheme. Their contributions will be rewarded with a certificate and gift. This award will be Quarterly to technicians who demonstrate exceptional skill, dedication, and commitment to their work.

Criteria for the selection of Star Performer:

1) Cornea Related Program:

a. Providing Transplantable corneas

b. Utilization Rate

c. HCRP and Voluntary Eye Collection.

2) Awareness Program.

3) Notification to Consent Rate:

A. Entry of Notification of Deaths during Duty hours.

B. Percentage of entered notification to screened.

C. Consent percentage of suitable case.

4) Quality of Excision.

Benefits of the Incentive Scheme:

1. Improved Quality of Work: The incentive scheme encourages technicians to strive for excellence, leading to higher quality work and better outcomes.

2. Increased Motivation: Recognition and rewards motivate technicians to work harder and take pride in their work.

3. Enhanced Job Satisfaction: The incentive scheme demonstrates the value placed on technicians' contributions, leading to increased job satisfaction and reduced turnover.

4. Elimination of Corneal Blindness: By incentivizing excellence, the Eye Bank Society of Rajasthan moves closer to its goal of eliminating corneal blindness.

Conclusion:

The Eye Bank Society of Rajasthan's incentive scheme is a groundbreaking initiative that recognizes the critical role technicians play in the fight against corneal blindness. By rewarding excellence and dedication, society aims to create a culture of high performance and quality, ultimately bringing hope to those awaiting corneal transplants.

सरल करूंगा उनका जीवन
आंखो में उजाला दे जाऊंगा

मृत्यु से पहले दो आंखे अपनी ।
मैं दान उन्ही को कर जाऊंगा।।
अंधेरे में जो जी रहे हैं जीवन।
उजाला उपहार में दे जाऊंगा।।

बिन देखे धरती वे कैसे जाने।
सूरज- चंदा को कैसे पहिचाने।।
देखे नहीं जिसने वन पर्वत झीलें।
फूलों के रंग से भी हैं अनजानें।।

जाने से पहले मैं आंखे अपनी।
दिंव्यांग को दान कर जाऊंगा ।।
सरल करूंगा उनका जीवन।
आंखो में उजाला दे जाऊंगा ।।

उनका अंधियारा जीवन देखा है।
बेबस बचपन यौवन देखा है।।
लाठी के सहारे सड़कों पर चलते
आशंकित वृद्धों का भय देखा है।।

कुदरत की नियामत आंखों को ।
अब मिट्टी में नहीं मिलने दूंगा ।।
मृत्यु से पहले इन आंखों को ।
दिव्यांग को दान कर जाऊंगा।।

अंधता उन्मूलन के पावन पथ पर।
मिल साथ सभी को चलना होगा।।
दानी की आंखे हो जाएँगी अमर।
संदेश हमें यह फैलाना होगा।।

लक्ष्मण बोलिया

वसीयत में लिखें नेत्रदान

मरकर भी आएँ किसी के काम

राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ

दुनिया में किसी ने सुना नहीं होगा कि कोई निर्जीव होकर भी नेत्रदान कर सकता है। ईश्वर द्वारा मानव को दिया हुआ सबसे अनमोल उपहार है – यह दो आंखें। मानव शरीर की पांच ज्ञानेन्द्रियों में सबसे प्रमुख हैं यह दो आँखे।

यदि हमने किसी नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी के लिए मरणोपरांत नेत्रदान किया तो यह बहुत बड़ा दान है ।

यदि हम अपने माता-पिता की आत्मा को सुकून या प्रसन्नता देना चाहते हैं तो उनके नेत्रदान अवश्य करवाएं।

एक बार नीमच में डाक्टरों के कार्यक्रम में हमारा प्रवचन हो रहा था। श्रोताओं में मेरे पिताजी महाराज भी बैठे थे । प्रवचन सुनने के बाद डॉक्टरर्स के सामने उन्होने अपनी इच्छा व्यक्त की कि मेरी दोनों आंखें दो कुंवारी कन्याओं के लगा दी जाएं । जब उनका अंतिम समय आया तो उनके भक्तों को सूचना बाद में दी गई। पहले नेत्रदान लेने वालों को सूचना दी और नेत्रदान कराया गया। अंतिम दर्शन के लिए आने वाले लोग नेत्रदान के बाद उनके पार्थिव देह के मुख मंडल पर प्रसन्नता का भाव और मुस्कान देख कर अत्यधिक आश्चर्य चकित थे।

- केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों ने चिकित्सकों और मानव समाज को कोर्नियल ब्लाइंडनेस से मुक्त कराने के लिए नेत्रदान को गम्भीरता से लेना चाहिए।
- यदि यदि मुझे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री से मिलने का अवसर मिला तो मैं उनको प्रेरणा दूंगा की एक माह में नेत्रदान कीअनिवार्यता का कानून लागू करें।
- मृत्यु प्रमाण-पत्र पत्र लेने के आवेदन के साथ नेत्रदान का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए।
- यदि आप निश्चित समय में नेत्रदान किसी कारणवश घर में नहीं करवा सको तो शमशान में भी करवा सकते हो। इन मोतियों को दान देने के बाद ही देह को मिट्टी में मिलाओ । यह भगवान की सेवा होगी।
- मृत्युपरांत अपनी वसीयत लिखकर जाना चाहिए कि बेटा मेरा नेत्रदान जरूर करवा देना। इस अंधविश्वास में कोई दम नहीं है की है कि किसी व्यक्ति ने नेत्रदान कर दिया तो वह अगले जन्म में अंधा पैदा होगा। ऐसा नहीं है। यह भ्रामक है ।अगर आपने नेत्रदान कर दिया तो आने वाले 100 जन्मों तक की आपने अपने नेत्रों की व्यवस्था कर ली । आप स्वयं नेत्रदान करें और 10 व्यक्तियों को भी प्रेरणा दीजिए कि वे सभी नेत्रदान करें
- नेत्रदान की अनिवार्यता का कानून बना कर सख्ती से लागू करें तो 80 प्रतिश कॉर्निया की खराबी से अंधकार मे जीने वाले लोगों के जीवन में रोशनी लाई ज सकती है।
- किसी के जीवन में रोशनी लाना यह आपका और हम सभी का कर्तव्य है।

संबोधि टाइम्स से साभ

Help Combat Corneal Blindness

ज्योति रथ : ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्रदान जागरूकता का अनूठा प्रयास

वर्ष 2019 से आई बैंक सोसायटी आफ राजस्थान जयपुर के मार्गदर्शन में शाइन इंडिया फाउंडेशन और बीबीजे चैप्टर का गठन हुआ। बीबीजे चैप्टर के कोऑर्डिनेटर डॉ कुलवंत गौड़ वर्ष 2011 से नेत्रदान जागरुकता अभियान और नेत्र संकलन के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

डॉ. कुलवंत गौड़
प्रभारी, बूंदी-बारां-झालावाड़

शुरुआत : वर्ष 2019 से अब कोटा के आसपास के क्षेत्र जिनमें तीन जिले मुख्यतः आते हैं; बूंदी,बाराँ और झालावाड़। इन जिलों में नेत्रदान जागरूकता, कोर्निया संकलन अंधता निवारण का कार्य, बीबीजे चैप्टर के माध्यम से प्रारंभ हुआ।

आवश्यकता से हुआ आविष्कार : वर्ष 2019 में बूंदी जिले के छोटे से गांव में जब हम रात एक बज़े नेत्रदान लेने के लिए पहुंचे, तो वहाँ से निकलते समय गाँव के 100 से अधिक लोगों ने हमें रोक कर पूछा कि,हमें यह पता नहीं चल पाया कि, आप लोग अंदर गये और किस तरह से मृत शरीर से नेत्रदान लिए ? क्या आपने पूरी आँख निकाल ली ? चेहरे पर कोई गड्ढा तो नहीं हुआ होगा ना ?

उस समय हमने उनके सभी सवालों के जवाब दिये, और पूरी जानकारी देने में 1 घंटे से अधिक का समय लग गया। आते समय हमारे मन में यह विचार आ चुका था कि, ऐसा कुछ प्रयास किया जाये,जिससे नेत्रदान की प्रक्रिया को बाहर खड़े हुए सभी लोग आसानी से देख सकें और समझ सकें।

सफलता का समय : हमने उस घटना के बाद से अपने-अपने स्तर पर लोगों को मोबाइल में ,टैबलेट में और लैपटॉप पर दिखाकर नेत्रदान की प्रक्रिया को समझाने की कोशिश की परंतु उतनी सफलता प्राप्त नहीं हो सकी।

मन में यह विचार भी था कि, किसी तरह से हमें कोई बड़ी गाड़ी मिल जाए,जिससे हमारा 200 किलोमीटर के दायरे तक नैत्रदान लेने जाने का सफर भी आसान हो सके और उसमें कुछ नया प्रयोग किया जाये,जिससे नेत्रदान जागरुकता का प्रतिशत कुछ बढ़ सके।

वर्ष 2023 में कोटा निवासी श्रीमान आशीष शर्मा और उनके मित्र श्री नवनीत शर्मा,वर्तमान में न्यूजीलैंड निवासी,ने हमारी इस परेशानी को सिर्फ एक बार की मीटिंग में हल कर दिया। उन्होंने फरवरी 2023 में हमें एक नई मारुति ईको की गाड़ी उपहार स्वरूप भेंट की।

4. क्यूँ है ख़ास ज्योति-रथ :

1. सर्वप्रथम तो उसका नाम ज्योति-रथ ही अपने आप में एक संदेश देकर यह बताता है कि इस वाहन के माध्यम से अंधेरे जीवन को रोशन किया जाएगा।

2. ज्योति-रथ को बाहर की ओर से चारों तरफ से स्लोगन और नेत्रदान जागरुकता के संदेशात्मक स्टीकर से सजाया गया है। इससे कहीं पर भी खड़ी हुई गाड़ी नेत्रदान जागरुकता का संदेश देती रहती है।

3. ज्योति-रथ में नेत्रदान से प्राप्त कॉर्निया को निर्धारित तापमान पर रखने के लिए उसमें एक छोटा फ्रीज़,और गाड़ी से नेत्रदानी परिवार के घर तक जाने के लिये कोल्ड बॉक्स मौजूद है।

4. ज्योति-रथ में जागरूकता से संबंधित पोस्टर,बैनर, स्टैंडी,संकल्प पत्र,सर्टिफिकेट, प्रोजेक्टर और स्मार्ट टीवी भी मौजूद है, जिस पर नेत्रदान लेने की प्रक्रिया को लाइव देखा जा सकता है।

5. ज्योति रथ में एक बैटरी ऑपरेटेड लाउडस्पीकर भी मौजूद है जो कि किसी भी स्थान पर कार्यशाला के दौरान काम आता है।

6. ज्योति-रथ के अंदर सामने की ओर एक लाल और नीले रंग की लाइट दूर से ही यातायात को सुगम बनाने में मदद करती है।

7. ज्योति-रथ में एक प्रोजेक्टर भी हमेशा मौजूद रहता है जो कभी भी नेत्रदान से संबंधित कार्यशाला में काम आता है।

8. ज्योति-रथ में एक 20 मीटर तार का मल्टीप्लग भी मौजूद रहता है, जिससे हम लाइट के अधिक कनेक्शन ले सकते हैं।

9. ज्योति-रथ में इंटरनेट की व्यवस्था भी हमेशा मौजूद रहती है।

10. ज्योति-रथ में एक जीपीएस मोबाइल हमेशा उपलब्ध रहता है, जिससे हम नेत्रदानी परिवार के सदस्यों को हमारी लोकेशन भेज कर उन्हें वहाँ पहुँचने का संभावित समय बता पाते हैं, और उनको लाइव लोकेशन भेजने से उन्हें भी यह जानकारी रहती है कि, टीम कितनी देर में नेत्रदान लेने के मौके पर पहुँच सकेगी ?

ज्योति रथ के माध्यम से नेत्रदान जागरुकता का प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में काफी अच्छा असर ला रहा है। सबसे अच्छी बात यह है कि नेत्रदान की प्रक्रिया को लाइव देखने पर उनकी सभी तरह की भ्रांतियां मौके पर ही दूर हो जाती हैं।

शाइन इंडिया फाउंडेशन और इबीएसआर-बीबी चेप्टर के माध्यम से अभी तक 78 नेत्रदान, 22 नेत्रदान जागरुकता कार्यशालायें और नेत्रदान संकलित करते हुए 8 लाइव डेमो किये गये, जिससे 6000 से ज्यादा लोगों को नेत्रदान के लिए जागरूक किया गया है।

ज्योति रथ से नेत्रदान जागरूकता और नेत्र संकलन का कार्य भारत का पहला अनूठा प्रयोग है, हमारे इस प्रयोग के बाद से कई शहरों की संस्थाओं ने हमें संपर्क किया है और वह भी अपने क्षेत्र में इस तरह के एक वाहन को तैयार करने में लग गए हैं।

डूंगला में नेत्रदान जागरूकता अभियान

उदयपुर। गत 26 फरवरी को उदयपुर चैप्टर द्वारा डूंगला जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) में एक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र जांच का समस्त कार्य कॉरपोरेट अलख नयन मंदिर द्वारा सम्पन्न किया गया। शिविर में 152 व्यक्तियों ने अपने नेत्रों की जांचें करवाई जिन्हें चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श दिया। शिविर में 29 व्यक्तियों को नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। लगभग 180 लोगों की उपस्थिति में चेप्टर, अध्यक्ष श्री सूरज मल पोरवाल ने मरणोपरांत नेत्रदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्हें जागरूक एवम् प्रेरित किया था उनके विभिन्न सवालों के जवाब देकर शंकाओं का निवारण किया।

शिविर में उपस्थित क्षेत्र के पेंशनर्स समाज के पदाधिकारियों ने नेत्रदान कराने का आश्वासन दिया। उसी दिन कस्बे के प्राथमिक चिकित्सालय पर जाकर चिकित्सकों को नेत्रदान कराने में सहयोग की अपील की तथा चिकित्सालय परिसर में मुख्य स्थानों पर 4 अलग-अलग पोस्टर्स चिपकाए एवम् साथ ही कस्बे के मुख्य मार्ग एवं प्रमुख चौराहों पर बेनर्स लगाए गए। चिकित्सकों एवम् ग्रामवासियों का उत्साह सराहनीय था। इन सभी कार्यों में चेप्टर के उपाध्यक्ष वर्द्धमान मेहता का सहयोग रहा।

सूरजमल पोरवाल
अध्यक्ष, उदयपुर चेप्टर

फार्म-1
(नियम 3 देखिये)
राजस्थान नेत्र-ज्योति

1.	समाचार पत्रिका का नाम	:	राजस्थान नेत्र ज्योति
2.	समाचार पत्रिका की भाषा	:	हिन्दी
3.	प्रकाशन का स्थान	:	जयपुर
4.	प्रकाशन की अवधि	:	त्रैमासिक
5.	मुद्रक का नाम	:	निर्मल गोयल
	क्या भारतीय नागरिक हैं	:	हाँ
	(यदि विदेशी हैं तो मूल देश)	:	नहीं
	पता	:	पॉपुलर प्रिन्टर्स, फतेह टीबा मार्ग, मोती डूंगरी रोड, जयपुर
6.	प्रकाशक का नाम	:	अशोक भण्डारी
	क्या भारतीय नागरिक है	:	हाँ
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	नहीं
	पता	:	1, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
7.	सम्पादक का नाम	:	लक्ष्मण बोलिया
	क्या भारतीय नागरिक है	:	हाँ
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	नहीं
	पता	:	508, रानी सती नगर, अजमेर रोड, जयपुर
8.	उन व्यक्तियों के नाम व पता जो समाचार-पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान मोबइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, माती डूंगरी रोड़, जयपुर-302 004

मैं, अशोक भंडारी एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

अशोक भंडारी

अजमेर चेप्टर ने मार्च 2024 तक 3739 कॉर्निया एकत्रित किए

अजमेर। आई बैंक सोसाइटी ओफ राजस्थान के अजमेर चेप्टर द्वारा माह जनवरी- फरवरी- मार्च 2024 के दौरान नेत्रदान कार्यक्रम के प्रचार- प्रसार तथा जनता तक संदेश फैलाने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- दिनांक 14 जनवरी 2024 को टाटा कार्गो के सहयोग से नसीराबाद में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 60 से अधिक लोगों ने भाग लेकर इसका लाभ उठाया। साथ ही नेत्रदान कार्य को बढ़ावा देने के लिए विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।
- दिनांक 4 फरवरी, 2024 को शासकीय विद्यालय मेड़ता में आयोजित एक नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम में बच्चों को समझाया गया कि नेत्रदान क्या होता है और इससे दृष्टि बाधित लोगों को

किस तरह से लाभान्वित किया जाता है।

- दिनांक 4 फरवरी 2024 को अजमेर जिले के गवारडी गांव में संचालित आंगनवाड़ी उप केंद्र मे नेत्रदान प्रसार का कार्य किया गया। केन्द्र में उपस्थित आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को नेत्रदान की जानकारी दीगई।
- दिनांक 21 फरवरी 2024 को टाटा कार्गो द्वारा ग्राम सेंदरिया

(अजमेर) में एक और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यहाँ शिविर में उपस्थित लोगो को नेत्रदान की जानकारी दी गई।

- दिनांक 31 मार्च, 2024 को भारत विकास परिषद की नई टीम के शपथ समारोह में नेत्रदान का प्रचार कार्य किया गया

इसी संदर्भ में अजमेर चैप्टर को एक दिन बहुत ही अलग प्रकार का अनुभव हुआ जब एक बहुत ही दयालु परिवार ने अपनी नाबालिग बालिका का नेत्रदान कराने के लिए सहमति प्रदान कर अंतिम संस्कार स्थल पर 10

वर्षीय लड़की नंदनी का कॉर्निया दान करा दिया।

इस नेत्रदान के लिए प्रेरित करने में ब्यावर निवासी समाज सेवी श्री एस.एन. शर्मा ने सराहनीय योगदान किया।

अजमेर चेप्टर के अध्यक्ष श्री रवि तोषनीवाल ने नेत्रज्योति पत्रिका को बताया कि अजमेर चेप्टर द्वारा वर्ष 2023 में 01 जनवरी से 31 मार्च तक 116 कॉर्निया एकत्रित किये थे जबकि इसी अवधि 2024 में अजमेर चैप्टर ने 121 कॉर्निया एकत्रित किये हैं। उपयोगिता दर 83% रही जो एक अच्छा प्रतिशत है। श्री तोषनीवाल ने बताया कि वर्ष 2006 में शुरू हुई आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान - अजमेर चैप्टर की स्थापना के बाद यात्रा में हम अब तक 3739 कॉर्निया एकत्र करने में सफल रहे हैं,

जिनमें से 2445 का प्रत्यारोपण किया जा गया है। इनकी उपयोगिता दर 65 प्रतिशत रही है।

गौरतलब है कि सभी सदस्यों व कार्यकताओं के समग्र प्रयासों से उपयोगिता प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इसको बढाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने अजमेर चेप्टर के सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं की ओर से जयपुर चेप्टर द्वारा अजमेर चेप्टर को दिए जा रहे नियमित समर्थन और मार्गदर्शन के लिए श्री बी. एल. शर्मा साहब सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

उन्होने आई बैंक सोसाइटी ऑफ राजस्थान, जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय श्री एम.एल. मेहता साहब तथा पूर्व उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र जी भंडारी साहब ने हमें आई बैंक के साथ जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हम उनके आभारी हैं। हम सभी भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे इस नेक काम पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें ताकि अधिक से अधिक कॉर्निया का लाभ दृष्टिहीन रोगियों को मिल सके।

उन्होंने सभी दानदाताओं और उनके परिवारों, मीडिया और कई गैर सरकारी संगठनों का भी आभार और धन्यवाद व्यक्त किया जिन्होंने अजमेर चेप्टर के कार्य को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया।

कोटा में तीसरा नेत्रदानी परिवार सम्मान समारोह अयोजित

डा. के. के. कंजोलिया को लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला ने सम्मानित किया

कोटा चेप्टर की ओर से कोटा में नेत्रदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ईबीएसआर कोटा चेप्टर के अध्यक्ष डा. के.के. कंजोलिया को लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम जी बिड़ला द्वारा सम्मानित किया गया। यह ईबीएसआर द्वारा कोटा में नेत्रदान के रूप में सामाजिक कार्य की बहुत बड़ी मान्यता थी।

दिनांक 28 जनवरी, 2024 कोटा चेप्टर द्वारा तीसरा विशाल नेत्र दाता परिवार सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया । रोटरी बिनानी सभागार कोटा में आयोजित इस समारोह मे उन नेत्रदानी परिवारजनों को सम्मानित किया गया जिन्होंने दिनांक 22 अगस्त 2023 से जनवरी 2024 तक अपने परिजनों के नेत्रदान कराए थे । समरोह में 106 जोड़ी नेत्र दानदाताओं को समारोह के मुख्य अतिथि, राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री हीरा लाल नागर ने सम्मान पत्र प्रदान किए। श्री संदीप शर्मा, विधायक कोटा दक्षिण, श्रीमती संगीता सक्सेना, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज, कोटा, विशिष्ट अतिथि थे । श्री राजेश बिड़ला, अध्यक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, कोटा शहर के एस.पी.शरद चौधरी, के अलावा सामाजिक, औद्योगिक, चिकित्सा, एवं प्रशासन से कोटा के विभिन्न प्रमुख व्यक्ति भी उपस्थित थे।

बहुत सौभाग्य की बात थी कि इस कार्यक्रम में श्री कपिल गर्ग, उपाध्यक्ष ईबीएसआर, पूर्व डी.जी. राजस्थान भी उपस्थित थे। डॉ. के.के. कंजोलिया और श्री कपिल गर्ग ने अपने स्वागत भाषण में राजस्थान और कोटा में ईबीएसआर की कार्यप्रणाली, उद्देश्य और उपलब्धियों के बारे में बताया।

श्री गर्ग ने बताया कि कोटा शहर आई डोनेशन में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। यहाँ अन्य जिलों की अपेक्षा स्वैच्छिक आई

डोनेशन सबसे अधिक है। ईबीएसआर, जयपुर ने लगभग 21 हजार कोर्निया प्राप्त किये जिनमें से 13,971 लोगों को प्रत्यारोपित किये गए।

मुख्य अतिथि एवं विभिन्न माननीय अतिथियों ने दानकर्ता परिवार के सदस्यों को शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि सहित सभी वक्ताओं ने नेत्रदान के जरिए अंधता निवारण और वर्तमान परिदृश्य में नेत्र दान की आवश्यकता और लाभों के संबंधित मुद्दों पर समारोह को अपने प्रेरक भाषण से लाभान्वित किया। श्री सुरेश सेडवाल, सचिव ईबीएसआर, कोटा चेप्टर ने धन्यावाद दिया। कार्यक्रम के बाद सभी अतिथियों तथा दानदाताओं के परिवार के सदस्य, ई बी एस आर, कोटा के सदस्य और अन्य आमंत्रितगण दोपहर के भोजन में शामिल हुए। जनवरी 2024 में कार्यकारिणी के सभी सक्रिय सदस्यों के आवास पर 2 गुणा 3 फीट साइज के साइनेज बोर्ड लगवा कर/प्रदर्शित कराये गये। ईबीएसआर के अध्यक्ष और सचिव के संपर्क नंबर के साथ दान के लिए जागरूकता लाने वाले नारों को भी इस पर मुद्रित किया गया था ताकि आस-पास के निवासियों को नेत्रदान की जरूरत पड़ने पर संपर्क करने में आसानी हो। इन से नेत्रदान का संदेश जन-जन तक पहुँचाने मे बड़ी आसानी हो जायेगी।

उल्लेखनीय है कि जनवरी से मार्च 2024 की अवधि के दौरान कोटा चेप्टर में कुल 100 कॉर्निया दान में प्राप्त हुए जिनमें से 43 कोर्निया प्रत्यारोपित किये गए।

मिस फेमिना इंडिया- मान्या सिंह ने आई बैंक के स्टाल का अवलोकन किया

जयपुर। यहां गत 2 मार्च 2024 को जवाहर कला केन्द्र में नारी शक्ति वंदन समारोह के अवसर पर विविध कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु आने वाले जन समुदाय को नेत्रदान कार्यक्रम की जानकारी तथा अंधता उन्मूलन के लिए नेत्रदान के प्रति जागरूक बनाने के उद्धेश्य से आई बैंक सोसायटी द्वारा एक स्टाल की स्थापना की गई।

इस समारोह में भाग लेने तथा 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' सत्र मे संबोधित करने के लिए आई हुई मिस फेमिना इंडिया- मान्या सिंह ने आई बैंक की स्टाल का अवलोकन किया। बैंक के सदस्य पूर्व आई एफ एस अधिकारी अजय गुप्ता, सीनियर मैनेजर ईबीएसआर, सुदर्शना शेखावत ने राजस्थान आई बैंक सोसाइटी के बारे मे मान्या सिंह को नेत्रदान व अंग दान के बारे मे जनकारी दी।

नेत्रदान को परिवार की परम्परा बनाने के लिए आवश्यक है कि इसके बारे में लोगों को प्रेरित किया जाए तथा आवश्यक जानकारी भी दी जाए। बी.बी. जे. बूंदी के को र्डिनेटर डॉ. कुलवंत गौड़ ने कुछ प्रभावी (स्लोगन) प्रेरक दोहे लिखकर भेजे हैं। प्रदेश में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय नेत्रदान जागरूकता पखवाड़े के दौरान सभी चैप्टर्स इनका उपयोग कर सकते है। -संपादक

1. जला कर अपनी आंखो को, मत करिये राख़,
छह घंटे तक रहतीं है इनमें जीवन की आस।

2. जीवन भर भूलें नहीं, बहुत जरुरी बात,
लेते हैं केवल कॉर्निया ना ही पूरी आँख।

3. नेत्र दान करने से पहले दो बातें याद रहें,
बंद हो आखें गीली पट्टी से, पंखा बंद रहे।

4. एक समान दिखती आँखे, नेत्रदान के बाद,
फिर रौशन होतीआँखेकोर्नियां लगने के बाद।

5. एक दिन अपने ही जला कर राख़ करने आएंगे,
नेत्रदान का यदि संकल्प लिया तो
अपनी दो आखें अमर कर जाएंगे।

6. ना जलाइये आंखो को ना ही दफ़नाइये,
मूल्यवान हैं आखें दान कर के ही जाइये।

डॉ. कुलवंत गौड़

जयपुर। गत 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वैशाली नगर के नर्सरी पार्क में नेत्रदान के प्रति आम लोगों में जागृत लाने के उद्देश्य से एक म्यूजिकल शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आईबैक सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य श्री रवि कामरा, श्री एस.पी.वर्मा तथा कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिन्होंने नेत्रदान के बारे में जानकारी देकर इसके लिए प्रेरित किया।

वित्तीय दान दाताओं की सूची (जनवरी से मार्च, 2024)

1.	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	3300000
2.	श्रीमती विमलेश जैन	111111
3.	श्री उमेश सोमानी	51000
4.	श्री वर्धमान बापना	51000
5.	श्री नितिन कांकरिया	50000
6.	श्रीमती कौशल्या भण्डारी	50000
7.	श्री हरिशंकर शर्मा	21000
8.	श्री गौरव शर्मा	21000
9.	श्री विजय कुमार बागड़ा	21000
10.	डॉ. चन्द्र कुमार ग्रोवर	21000
11.	कर्नल श्री पी.के. शर्मा	11000
12.	सुश्री मिन्नी वर्मा	10000
13.	श्री के.के. बाकीवाला	10000
14.	श्री ए. अर्जुनन	10000
15.	श्री निहाल चंद डांडिया	8500
16.	मै. कमल डवलपर्स प्रा.लि.	7000
17.	श्रीमती पुष्पा काला	6000
18.	मै. रामप्रकाश महादेव भोमराजका ट्रस्ट	5100
19.	श्री सुधांशु जी कासलीवाल	5000
20.	श्री ईश्वर चन्द्र श्रीवास्तव	5000
21.	सुश्री शिवानी कोठारी	2000
22.	सुश्री आहना कोठारी	2000
23.	श्री प्रतीक कोठारी	2000
24.	सुश्री अक्षिता कोठारी	2000
25.	सुश्री टिया कोठारी	2000
26.	श्री राजू जी	1000
27.	श्री जतिन हथियानी	1000
	योग	3786711

वित्तीय दानदाताओं की सूची (अप्रैल से जून, 2024)

1.	मै. भंडारी धनार्जुन सेवा मिशन ट्रस्ट, जोधपुर	200000
2.	मै. शिवालिक सिलिका	100000
3.	जस्टिस श्री जे. के. रांका	31000
4.	श्रीमती विजय लक्ष्मी रांका	31000
5.	श्री बी.के. जुत्सी	25000
6.	श्री दीपक सोगानी	11000
7.	श्रीमती शांति माथुर	10000
8.	मिस मृदुला डूगर	3000
	योग	411000

दान में प्राप्त कॉर्निया माह जनवरी से जून 2024

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
जनवरी 2024	318	198	62 %
फरवरी 2024	263	189	72 %
मार्च 2024	268	174	65 %
अप्रैल 2024	178	136	76 %
मई 2024	190	133	70 %
जून 2024	176	138	78 %
कुल संख्या	1393	968	69 %

Star Performer of Quarter Q1-2024

Bharat Kumar Sharma - Ajmer
Star Performer - Q1 2024
Score : 285

Star Counselor Bharat Kumar Sharma from Ajmer topped the individual performance charts with a remarkable score of 285, closely followed by Kuldeep Singh, also from Ajmer, with 272 points.

Kuldeep Singh - Ajmer
Runners Up
Score : 272

The top 5 performers in the new "Star Performer Scheme" for Q1-2024 :

1	Bharat Kumar Sharma	Ajmer	**285**
2	Kuldeep Singh	Ajmer	**272**
3	Tinku Ojha	Kota	**218**
4	Mukesh Kumawat	Jaipur	**211**
5	Ramzaan	Bikaner	**207**

Star-Performer of Quarter-2-2024

Bharat Kumar Sharma - Ajmer
Star Performer - Q2 2024
Score : 283

Star Counselor Bharat Kumar Sharma from Ajmer topped the individual performance charts with a remarkable score of 283, closely followed by Tinku also from Kota, with 260 points.

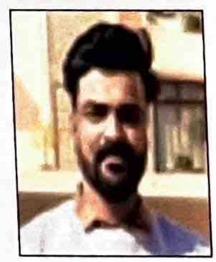

Mr. Tinku Ojha
Runners Up
Score : 260

Excellent Field Technician Q-2 2024:

		MT%	TARGET vs Achievement	TX/ COLL	UR%	SCORE	Month
1	Prahlad	145% OF MT	Target : 11 Actual tx : 16	16 / 16	100%	100	MAY
2	Bharat Sharma	145% OF MT	Target : 11 Actual tx : 16	16 / 18	89%	95	JUNE

"EBSR Performance Report Q1:

According to the latest performance report, a total of 849 eyes were collected from January to March 2024, up from 780 in Q1 2023 - an increase of nearly 9%. The overall utilization rate remained steady at an encouraging 66%.

EDCT PERFORMANCE Q1-2023 VS Q1-2024

Counselor	2023-Q1			2024-Q1		
	Collection	Transplant	U.R. (%)	Coil	Tx.	UR%
Omprakash	156	112	72%	36	25	69%
Mukesh	30	25	83%	52	42	81%
Ramswaroop	130	98	75%	128	95	74%
Prahlad	113	88	78%	108	76	70%
Amit	-	-	-	74	51	69%
Bharat Sharma	72	50	69%	72	59	82%
Kuldeep	44	39	89%	49	41	84%
Tinku Ojha	80	36	45%	100	43	43%
Udaipur	10	04	40%	12	12	100%
Kulwant (BBJ)	54	21	54%	56	29	53%
Pali	12	08	67%	10	6	60%
Jodhpur	40	21	53%	88	43	49%
Shivam (Bhilwara)	19	09	47%	5	0	0
Lions Bhilwara	08	01	13%	06	04	67%
Hemant (MB Hospital)	10	0	0	08	02	25%
Ramzaan -	-	-	34	26	76%	
Bharat Kumar Dausa	-	-	-	08	06	75%

Counselor-Wise Performance Q1-2024

Counselor	Base Target	Q1Collection	Transplant	U.R.(%)	Achievement %
Omprakash	33	36	25	69%	76%
Mukesh	45	52	42	81%	93%
Ramswaroop	90	128	95	74%	105%
Prahlad	90	108	76	70%	84%
Amit	90	74	51	69%	57%
Kuldeep	33	49	41	84%	124%
Bharat Sharma	33	72	59	82%	179%
Tinku Ojha	33	100	43	43%	130%
Hemant (MBS Kota)	-	08	02	25%	-
Uttkarsh (BBJ)	30	55	29	53%	97%
Saksham	24	12	12	100%	50%
Ramzaan	24	34	26	76%	108%
Jodhpur	24	88	43	49%	179%
Bharat Singh Bairwa- Dausa	24	08	06	75%	0
Deepak (Ramsnehi Bhilwara)	09	05	0	0	0
Azrudin (Lions Bhilwara)	09	06	04	67%	44%
Basandil Ben	09	0	0	0	0
Mukesh Pali	04	10	6	60%	150%

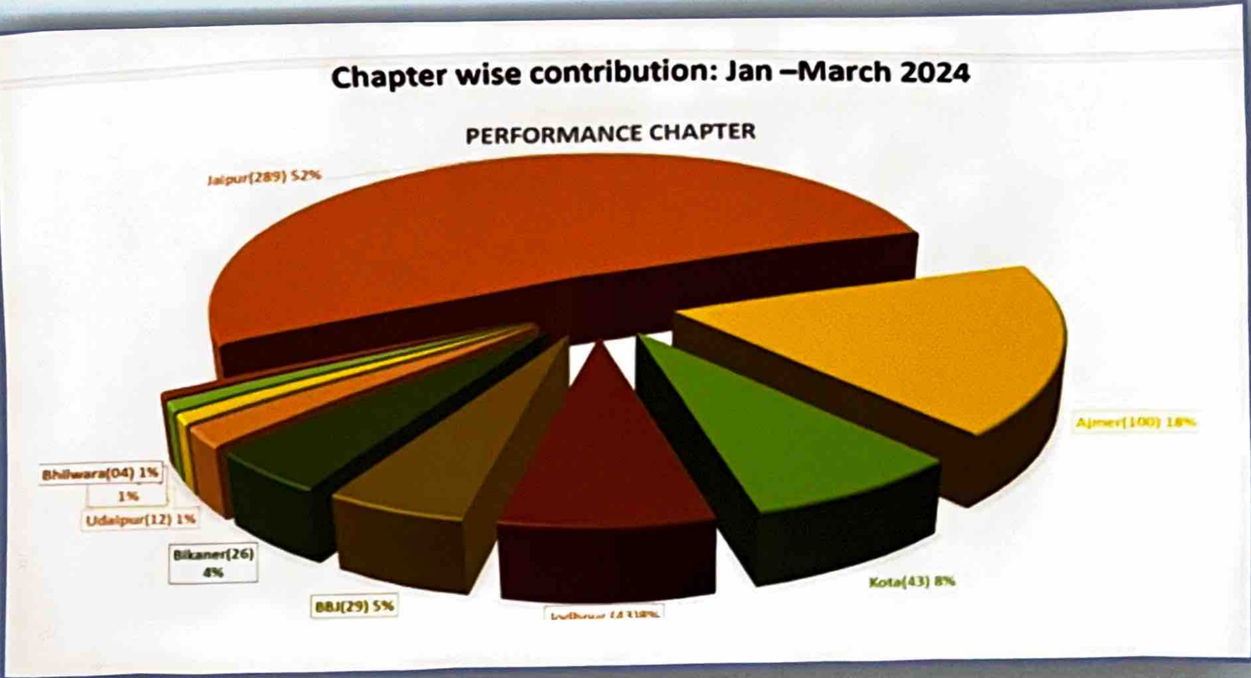

COUNSELOR-WISE PERFORMANCE Q2-2024

2024 Q2			
Counselor	**Collection**	**Tx.**	**U.R(%)**
Omprakash	46	37	80%
Mukesh	78	66	85%
Ramswaroop	22	15	68%
Prahlad	72	68	91%
Kuldeep	40	35	87%
Bharat Sharma	58	50	86%
Tinku Ojha	52	44	85%
Hemant	10	06	60%
Dr. Kulwant	46	31	67%
Saksham	12	09	75%
Ramzaan	06	06	100%
Jodhpur	46	19	41%
Bharat Bairwa	2	0	0%
Deepak (Ramsnehi Bhilwara)	8	2	25%
Azrudin (Lions Bhilwara)	4	3	75%
Mukesh Charan	10	01	10%
Mahendra	2	00	00

अजमेर में जनवरी से मार्च 2024 की तिमाही में जिन लोगों के कॉर्निया प्रत्यारोपित किये गये उनमें से कुछ के चित्र यहाँ प्रकाशित किए जा रहे हैं।

इब्राहीम खान

गोपी लाल गुर्जर

प्रेम देवी

भगवाना राम

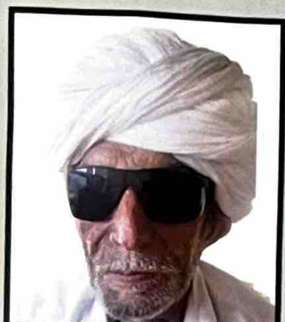
गुमाराम

गीता देवी

सजनी गुर्जर

जमिला देवी

नेत्र दान दाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता

जनवरी, 2024

1. सुमित कुमार सांखला, लाल सागर
2. शीला गोयल, पार्वती नगर
3. शिवाला पाटीदार, करौंदिया
4. रोहित, अलवर
5. रामेश्वर धानका, जोबनेर, जयपुर
6. विक्रम सिंह, नारलून
7. कमल गुरवानी, जयपुर
8. हजाप सिंह, जयपुर
9. सिंगना लाल जैन, भवानी मंडी
10. परमजीत कौर, भवानी मंडी
11. बद्री लाल गुप्ता, कोटा
12. टेक चन्द मलिक, कोटा
13. लक्ष्मी देवी आसवानी, पुष्कर, अजमेर
14. कृष्णा कुमावत, किशनगढ़, अजमेर
15. रमेश चन्द शर्मा, अजमेर
16. चंचल प्रकाश, जोधपुर
17. राज, पुष्कर, अजमेर
18. प्रेमचन्द जैन, जयपुर
19. सूरज कंवर लुंकड़, जोधपुर
20. भानू पंजवानी, कोटा
21. सुरेन्द्र मोहन मूंदडा, कोटा
22. कन्हैयालाल, कोटा
23. लालचंद जांगिड़, जयपुर
24. प्रभसिंह रावत, अजमेर
25. शार्दुल राम गुर्जर, अजमेर
26. प्रवीण कुमार सैनी, अलवर
27. तारामती देवी, सीकर
28. रामप्रताप रैगर, अलवर
29. मो. शमसेर, बिहार
30. महावीर प्रसाद जैन (सेठी), कोटा
31. रामकन्या देवी, दौसा
32. सचिन, जयपुर
33. नोपाराम, जयपुर
34. कालू खान, जयपुर
35. शिवनारायण राठौड़, भवानी मंडी
36. उषा देवी जैन, कैथून
37. सोनल, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)
38. किशन मेहरा, जयपुर
39. पंकज, जयपुर
40. मोनू गुर्जर, कोटपूतली
41. किशन सोनी, परबतसर
42. प्रहलाद, जयपुर
43. कैलाश मेहता, नागौरी गेट
44. वसुदेव ललवानी, 12/230 सीएचबी
45. मनोरमा डागा, ब्यावर
46. विद्या देवी चावला, कोटा
47. नौरंग लाल, झुंझुनूं
48. मुकेश कुमार बैरवा, दौसा
49. नवरतन मल मेहता,
50. आनंद सोनी, सिंहपाल
51. दीपचन्द, जयपुर
52. रेना यादव, जयपुर
53. रघुवेन्द्र सिंह, बीकानेर
54. शाहिद, भरतपुर
55. सुकिया देवी, पाली
56. भूंदा राम, जयपुर
57. वजीर चन्द बठला, कोटा
58. कुशाल चन्द, जयपुर
59. आनंद राज मेहता, पावोटा

नेत्र दान दाताओं की सूची

क्र.स. नाम पता

60. रुक्साना, सवाई माधोपुर
61. लक्ष्मीनारायण, जयपुर
62. रमा बाई निगम, कोटा
63. चन्द्रकान्ता गर्ग, श्योपुर
64. मुकेश, अजमेर
65. बंशीलाल वर्मा, जयपुर
66. चांदकरण डागा, पाली
67. सुनील मल बापना, जोधपुर
68. मांगीलाल, मेहराज का बास
69. पवन यादव, जयपुर
70. मनोहर लाल, झुंझुनूं
71. नीलम, जयपुर
72. जमना बाई गुप्ता, कोटा
73. हीरालाल आसेरी, प्रतापनगर, जयपुर
74. मनोज हिरन, भीलवाड़ा
75. श्रीनिवास रत्नावत, रामगंजमंडी
76. राजेश कुमार, अलवर
77. पिन्टू गुर्जर, नागौर
78. रवि, धौलपुर
79. कमलेश, खरदोई (यू.पी.)
80. छगन सिंह रावत, बड़लिया
81. राज कुमार, चूरू
82. अशोक जयसवाल, भवानीमंडी
83. राम कुमार, बीकानेर
84. सोनू, बीकानेर
85. पारस देवी, अजमेर
86. ईश्वर सिंह, किशनगढ़
87. दिनेश, जयपुर
88. राहुल, अलवर
89. विशाल बीदावत, जयपुर
90. नाथूलाल सैनी, दौसा
91. आदित्य मीणा, सवाईमाधोपुर
92. रामेश्वर लाल, जयपुर
93. पुष्पा देवी, कोटा
94. कृष्णा टेकचंदानी, कोटा
95. कल्याण यादव, मुरैना (एम.पी.)
96. रिंकू, जयपुर
97. सुनीता, भरतपुर
98. प्रकाश, जयपुर
99. पुरुषोत्तम पाराशर, भीलवाड़ा
100. युवराज, अजमेर
101. धर्म सिंह, करौली
102. रानी, आगरा (यू.पी.)
103. सहूदा, मथुरा (यू.पी.)

क्र.स. नाम पता

104. अनूप सिंह, गंगापुरसिटी
105. उछब लाल जैन, नैनवा
106. साजन दास रोहिरा, कोटा
107. परमानंद गुप्ता, कोटा
108. पदमचन्द बोहरा, कोटा
109. राजकुमार यादव, जयपुर
110. रामप्रसाद राठौड़, कोटा
111. अरुण, चूरू
112. मनीष कुमार, अलवर
113. सुखाराम मीणा, सीकर
114. चन्दा देवी टॉक, जयपुर
115. लीला छाजेड़, जसोल
116. राकेश मीणा, दौसा
117. अर्पित कुमार, उदयपुर
118. भीमसिंह, झुंझुनूं
119. प्रेमचन्द, जयपुर
120. तेज प्रकाश, जयपुर
121. लक्षित जैन, कांकरोली
122. दयाल दास दौलतानी, कोटा
123. रामनिवास गुप्ता, कोटा
124. जगदीश चन्द, कोटा
125. दीपा देवी गुरबानी, ब्यावर
126. मदन लाल चोपड़ा, जोधपुर
127. नेमीचन्द, जयपुर
128. चैन सिंह नाथावत, जयपुर
129. गणेश नारायण, जयपुर
130. गोविन्द नारायण, जयपुर
131. बेनी माधव, बीकानेर
132. कमला देवी, जयपुर
133. अंबर सैन, गुड़गांव
134. विश्व प्रकाश गुप्ता, कोटा
135. पदम चन्द जैन, जयपुर
136. महेन्द्र मीणा, सवाईमाधोपुर
137. राजेश कुमार रैगर, दौसा
138. अमोलक चंद जैन, भवानीमंडी
139. मदन लाल, फतेहसागर
140. रामस्वरूप, नैनवा
141. हीरा देवी, जयपुर
142. हेमराज, माउंट आबू
143. वल्लभ दास बिरला, प्रतापनगर
144. हुकुम चन्द मीणा, अलवर
145. महेन्द्र प्रताप मित्तल, कोटा
146. जिया बानो, बीकानेर
147. अनिल असवानी, ब्यावर

क्र.स. नाम पता

148. मुन्नालाल जैन, अजमेर
149. माली देवी, जयपुर
150. राजवंती, जयपुर
151. सूरज मेहता, जोधपुर
152. दीपा परमानी, कोटा
153. रिखब चन्द जैन, कोटा
154. राजेन्द्र लाल जैन, उदयपुर
155. रतन कंवर, सिसोदिया
156. प्रहलाद राय नैनवानी, कोटा
157. प्रदीप, भरतपुर
158. चम्पा रामचंदानी, कोटा
159. सुलोचना देवी, श्रीगंगानगर
160. कमला देवी, पाली
161. सुशीला देवी रांका, भीलवाड़ा
162. विष्णु कांत, बूंदी
163. लालाराम, जयपुर
164. उमेश कुमार फरवानी, कोटा
165. रामोवतार, टोंक
166. पदम कुमार जाटव, अजमेर

फरवरी, 2024

1. घनश्याम, डीग
2. हेम नारायण, ब्यावर
3. राधेश्याम, बूंदी
4. प्रदीप शर्मा, जयपुर
5. संतोष अरोड़ा, जयपुर
6. पुष्पा कोठारी, जयपुर
7. सुमन, नागौर
8. श्रवण लाल, जयपुर
9. पुरुषोत्तम लाल शर्मा, कोटा
10. शिव कुमावत, जयपुर
11. दीप चन्द, अजमेर
12. राधा देवी रमानी, अजमेर
13. बंशीलाल, अजमेर
14. भावना मिश्रा, अजमेर
15. योगेन्द्र कुमार, आगरा (यू.पी.)
16. नरेन्द्र मिश्रा, अजमेर
17. साधना जैन, झालावाड़
18. सुखवीर, डिग्गी
19. संतोष कुमार सैन, जयपुर
20. कन्हैयालाल मित्तल, कोटा
21. हरिमोहन बैरवा, भांडारेज
22. कला गोयल, कोटा

नेत्र दान दाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता

23. सुरेन्द्र सिंह मीणा, अजमेर
24. प्रेम देवी श्री श्रीमाल, ब्यावर
25. अशोक कुमार स्वामी, नीमकाथाना
26. राजेश शर्मा, सीकर
27. नीलम रानी, जयपुर
28. माया देवी पेसवानी, कोटा
29. मीना देवी पाटनी, जयपुर
30. भूपेन्द्र सिंह, अजमेर
31. सुनील कुमार वर्मा, पिहलानी (यू.पी.)
32. कौशल्या आहूजा, बूंदी
33. नारायण सिंह चारण, पथासनी (डुंगियावास)
34. सुशील निहाल चन्द पाटनी, विजय नगर
35. ग्यारसी देवी, झुंझुनूं
36. रेखा, जयपुर
37. रामलाल, टोंक
38. कान्ता देवी, जोधपुर
39. मुकेश अग्रवाल, अजमेर
40. आदित्य, बिजेस कॉलोनी
41. प्रमोद चौधरी, खिमसर
42. कंचन देवी, भीलवाड़ा
43. विद्या कुमारी हाड़ा, कोटा
44. मदन कंवर सुराना, नागौर
45. जमना देवी नागपाल, कोटा
46. पदम कुमार जैन, कोटा
47. कमला जैन, कोटा
48. बिरजु खटीक, अजमेर
49. रामू लाल, गोरखपुर
50. खेमराज, बयाना
51. लक्ष्मी देवी नाहर, जयपुर
52. गीता देवी, डीडवाना
53. वासुदेव सिंगला, ब्यावर
54. लक्ष्मीनारायण राठी, बस्ती केरू
55. पुरुषोत्तम, उदयपुर
56. जितेन्द्र सैनी, नीमकाथाना
57. बाली प्रजापत, दौसा
58. हरिशंकर मित्तल, कोटा
59. शकुंतला जैन, नैनवा बांध
60. वीर सिंह, घाटा डीग
61. शांति देवी, जयपुर
62. महावीर बापना, अजमेर
63. सूरजभान, बानसूर
64. हिरेन्द्र सिंह, 17-ई/598, सीएचबी
65. सुरेन्द्र चंद बच्छावत, दाऊ की ढाणी

क्र.स.	नाम	पता

66. जयनारायण सक्सेना, कोटा
67. शेर सिंह, खेरवाड़ा
68. संजय पाटीदार, खेरवाड़ा
69. सोहन सहाय, महावीर नगर एक्स.
70. शांति मेहता, ई-50, कल्पतरू शॉपिंग सेंटर
71. बच्चू सिंह, हिण्डौन, करौली
72. सोन सिंह, घड़साना (अनूपगढ़)
73. लालचंद जैन, जयपुर
74. हीरालाल गुप्ता, रामगंजमंडी
75. प्रकाश चन्द्र बागरेचा, 9, पावटा बी रोड
76. माधो सिंह, अलवर
77. विष्णु, अलवर
78. शोभा रानी, बी-78, शास्त्रीनगर
79. जगदीश सिंह, जयपुर
80. राजेश माथुर, जयपुर
81. श्रीधर्मराज जी, जयपुर
82. तारा मोदी, उदयपुर
83. बाबूलाल जांगिड़, जयपुर
84. सकारू कठात, अजमेर
85. भजनलाल जैसवानी, कोटा
86. पूर्ण सिंह, मथुरा (यू.पी.)
87. निखिल, झुंझुनूं
88. ज्ञानेन्द्र कुमार, हरदोई
89. चंचल मल चोरड़िया, 01, दिग्विजयनगर
90. सूरज देवी डाबी, अजमेर
91. सुभाष चंद, बारां
92. बनवारी लाल टेलर, अजमेर
93. कीतु, 54, पावटा सी रोड
94. देव प्रकाश गुप्ता, जयपुर
95. सुभाष वर्मा, नागौर
96. अशोक लोढ़ा, जयपुर
97. शिवराम, बीकानेर
98. शशिकांत शर्मा, अजमेर
99. प्रदीप कुमार शर्मा, जयपुर
100. राजू, भरतपुर
101. बजरंगलाल, बीकानेर
102. सुनील कुमार जैन, जयपुर
103. नीरज बोरड़िया, जयपुर
104. छगन सिंह, सीकर
105. कुमकुम, भालोरा
106. संजय सिंह रावत, ब्यावर

क्र.स.	नाम	पता

107. उत्तम चौहान, अजमेर
108. सुलोचना देवी जैन,जयपुर
109. महेन्द्र सिंह, जयपुर
110. प्रिया मेहरा, अलवर
111. प्रभु दयाल, नैचवा (सीकर)
112. केश्च्या जाजू, जोधपुर
113. ओम सिंह, करौली
114. सीता राम, नागौर
115. ज्योति सैनी, कोटपूतली
116. सीता देवी मंत्री, 218 भागल सिंह न
117. मोहनलाल सोनी, कोटा
118. नंदकिशोर भाटिया, कोटा
119. विमला देवी, कोटा
120. विनोद, जयपुर
121. अशोक बापना, बापू नगर, जयपुर
122. जसवंत, शास्त्रीनगर
123. धनराज, भीलवाड़ा
124. राजकुमार गुप्ता, अजमेर
125. रामपाल, चूरू
126. राखेली देवी जैन, देवगढ़
127. प्रेम प्रकाश तनूजा, जयपुर
128. आशुतोष शर्मा, जयपुर
129. मनोहर लाल, जयपुर
130. गिरिराज कलकालिया, कोटा
131. मुरली राम, बीकानेर
132. शंकरलाल, बीकानेर
133. बलजिन्द्र कौर, श्रीगंगानगर
134. गौतम चौधरी, डीग

मार्च, 2024

1. जतन कोठारी, जयपुर
2. सुमन देवी बम्ब, विजयनगर
3. शांति बाई जैन, कोटा
4. शम्भू लाल शर्मा, अजमेर
5. सुरेन्द्र कुमार सेठी, कोटा
6. अशोक, भरतपुर
7. हंसराज, महेन्द्रगढ़
8. भगवान सहाय मीणा, दौसा
9. रामोवतार मीणा, अजमेर
10. भारती नोगिया, अजमेर
11. प्रखर गोयल, ब्यावर
12. तेजराज मेहता, कोटा
13. प्रेम देवी, धौलपुर

नेत्रदान का संकल्प करना हुआ अब आसान

- अपने मोबाईल से इस नम्बर पर मिस्डकॉल करें।

7375 855 855

- एसएमएस प्राप्त होने पर वेबसाइट लिंक को क्लिक कर संकल्प पत्र भरें।
- उसी पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

YE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ

फोन : 0141

मोबाइल